शिक्षा निदेशालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली
वार्षिक पाठ्यक्रम 2025-26
कक्षा-6, विषय-हिंदी

क्र. सं.	(मल्हार) पाठ का नाम, रचयिता, विधा	विषयवस्तु	व्याकरण और रचनात्मक लेखन	अधिगम उद्देश्य	अधिगम संप्राप्ति	सुझावात्मक गतिविधि/क्रियाकलाप
1	**पाठ-1. मातृभूमि** सोहनलाल द्विवेदी (कविता)	यह कविता भारत के भौगोलिक, प्राकृतिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक वैभव का वर्णन करती है।	• संज्ञा शब्दों एवं संज्ञा के भेदों की पहचान • कविता में आए शब्दों का संज्ञा के भेदों के अनुसार वर्गीकरण • योजक चिहन का परिचय एवं प्रयोग, • 'मेरी मातृभूमि' विषय पर निबंध लेखन	• भावानुकूल सस्वर वाचन में सक्षम होंगे। • भारत की भौगोलिक सुंदरता का वर्णन कर सकेंगे। • देश-प्रेम की भावना को आत्मसात कर सकेंगे। • भारत की संस्कृति से परिचित होंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए	• विभिन्न प्रकार की ध्वनियों (जैसे- बारिश, हवा, रेल, बस, फेरीवाला आदि) को सुनने के अनुभव, किसी वस्तु के स्वाद आदि के अनुभव को अपने ढंग से मौखिक/सांकेतिक भाषा में प्रस्तुत करते हैं। • सुनी, देखी गई बातों, जैसे- स्थानीय सामाजिक घटनाओं, कार्यक्रमों और गतिविधियों पर बेझिझक	• कविता में वर्णित दृश्यों का चित्रण • भाषण - मातृभूमि के प्रति अपने विचारों की अभिव्यक्ति • भारत और भारत की संस्कृति से जुड़े प्रतीकों का प्रदर्शन • कविता में आए शब्दों का अर्थ पुस्तक में दिए गए शब्दकोश में देखना

				उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ हो सकेंगे।	बात करते हैं और प्रश्न करते हैं। • देखी, सुनी रचनाओं/ घटनाओं/ मुद्दों पर बातचीत को अपने ढंग से आगे बढ़ाते हैं, जैसे- किसी कहानी को आगे बढ़ाना। • रेडियो, टी.वी., अखबार, इंटरनेट में देखी/सुनी गई खबरों को अपने शब्दों में कहते हैं। • विभिन्न अवसरों/संदर्भों में कही जा रही दूसरों की बातों को अपने ढंग से बताते हैं, जैसे आँखों से न देख पाने वाले साथी का यात्रा-अनुभव। • अपने परिवेश में मौजूद लोककथाओं और लोकगीतों के बारे में जानते हुए चर्चा करते हैं। • अपने से भिन्न भाषा, खान-पान, रहन-सहन	• संप्रत्यय मानचित्र (कॉनसैप्ट मैप्स) बनवाना
	पुष्प की अभिलाषा माखनलाल चतुर्वेदी (कविता)	केवल पढ़ने के लिए	कुछ पाठ केवल पढ़ने के लिए दिए गए हैं जो कहीं पाठ के विषय को पोषित करते हैं तो कहीं रचना की विविधता प्रस्तुत कर विद्यार्थी की रुचि का विस्तार करते हैं।			
2	**पाठ-2. गोल** मेजर ध्यानचंद (संस्मरण)	यह संस्मरण प्रसिद्ध भारतीय खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद के जीवन से जुड़ा है। प्रस्तुत पाठ में उन्होंने अपने जीवन से जुड़ी एक घटना के	• शब्द-युग्मों की पहचान और अर्थ ग्रहण • सर्वनाम के भेदों की (पहचान एवं प्रयोग) • निपात (पहचान एवं प्रयोग) • डायरी लेखन • प्रसिद्ध भारतीय खिलाड़ियों और उनके	• संस्मरण विधा से परिचित हो सकेंगे। • हॉकी खेल के बारे में जान सकेंगे। • खेल-भावना का महत्त्व समझकर, खेल-भावना विकसित कर सकेंगे। • भारत के महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद के बारे में जान सकेंगे।		• समाचार पत्रों में आने वाले खेल पृष्ठ पर कक्षा में चर्चा • खेल संवाददाता बनकर किसी खेल का आँखों देखा हाल प्रस्तुत करना • ओलंपिक खेलों में भारत के प्रदर्शन पर वाद-विवाद

		माध्यम से खेल भावना के महत्त्व को उजागर किया है।	द्वारा खेले गए खेलों की सूची बनाना	• पाठांतर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ हो सकेंगे	संबंधी विविधताओं पर बातचीत करते हैं। • सरसरी तौर पर किसी पाठ्यवस्तु को पढ़कर उसकी विषयवस्तु का अनुमान लगाते हैं। • किसी पाठ्यवस्तु की बारीकी से जाँच करते हुए उसमें किसी विशेष बिंदु को खोजते हैं, अनुमान लगाते हैं, निष्कर्ष निकालते हैं। • हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री (समाचार, पत्र-पत्रिका, कहानी, जानकारीपरक सामग्री, इंटरनेट पर प्रकाशित होने वाली सामग्री आदि) को समझकर पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंद-नापसंद, राय, टिप्पणी देते हैं।	
	एक दौड़ ऐसी भी (लेख)	केवल पढ़ने के लिए	कुछ पाठ केवल पढ़ने के लिए दिए गए हैं जो कहीं पाठ के विषय को पोषित करते हैं तो कहीं रचना की विविधता प्रस्तुत कर विद्यार्थी की रुचि का विस्तार करते हैं।			
3	**पाठ-3. पहली बूँद** गोपालकृष्ण कौल (कविता)	वर्षा की पहली बूँद के धरती पर गिरने के दृश्य का सुंदर वर्णन किया गया है। यह	• विशेषण (संख्यावाचक, गुणवाचक) • अनेकार्थी शब्द • पर्यायवाची शब्द • वाक्यांश के लिए एक शब्द	• वर्षा ऋतु के सौंदर्य को आत्मसात कर सकेंगे। • पर्यावरण के महत्त्व को रेखांकित कर सकेंगे। • कविता का सार अपने शब्दों में लिख सकेंगे। • वाक्यांश के लिए एक शब्द लिख सकेंगे।		• वर्षा ऋतु के दृश्यों का चित्रण • वर्षा ऋतु पर आधारित रोल प्ले या नाटक

		कविता हमें प्रकृति के महत्त्व और वर्षा ऋतु के सौंदर्य के बारे में बताती है।	• मेरी प्रिय ऋतु/बारिश के साथ मेरा अनुभव/वर्षा विषय पर अनुच्छेद लेखन • तत्सम एवं तद्भव शब्दों की पहचान • 'बादल' को धरती की ओर से पत्र लेखन	• पाठांतर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ हो सकेंगे।	• भाषा की बारीकियों/ व्यवस्था/ ढंग पर ध्यान देते हुए उसकी सराहना करते हैं, जैसे- कविता में लय-तुक, वर्ण-आवृत्ति (छंद) तथा कहानी, निबंध में मुहावरे, लोकोक्ति आदि। • विभिन्न विधाओं में लिखी गई साहित्यिक सामग्री को उपयुक्त उतार-चढ़ाव और सही गति के साथ पढ़ते हैं। • हिंदी भाषा में विविध प्रकार की रचनाओं को पढ़ते हैं। • नए शब्दों के प्रति जिज्ञासा व्यक्त करते हैं और उनके अर्थ समझने के लिए शब्दकोश का प्रयोग करते हैं। • विविध कलाओं, जैसे- हस्तकला, वास्तुकला,	• वर्षा ऋतु में किए जाने वाले कार्यों की सूची बनाना • वर्षा जल संचयन के महत्त्व पर चर्चा • वर्षा ऋतु से जुड़े अनुभवों को साझा करना • वर्षा ऋतु पर लघु कविता लेखन
4	**पाठ-4. हार की जीत** सुदर्शन (कहानी)	यह कहानी बाबा भारती और उनके घोड़े सुलतान के बीच लगाव एवं डाकू खड्गसिंह के हृदय परिवर्तन पर आधारित है।	• क्रिया पद की पहचान • विशेषण (परिमाणवाचक, सार्वनामिक) • मुहावरे, लोकोक्तियाँ • दिनचर्या लेखन • मुख्य पात्रों का शब्द-चित्रण	• जीवों के प्रति दया की भावना विकसित कर सकेंगे • अनजान लोगों के प्रति सचेत रहना सीख सकेंगे। • नि:स्वार्थ भाव से दूसरों की मदद करने का भाव उत्पन्न कर सकेंगे। • पात्रों का शब्द चित्र प्रस्तुत कर सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे।		• कहानी को आगे बढ़ाने की गतिविधि • सुलतान की दृष्टि से कहानी की प्रस्तुति • मुहावरों की चित्रात्मक प्रस्तुति • 'सहायता कब और कितनी करनी चाहिए' विषय पर परिचर्चा

				• पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे।	खेती-बाड़ी, नृत्यकला आदि से जुड़ी सामग्री में प्रयुक्त भाषा के प्रति जिज्ञासा व्यक्त करते हुए उसकी सराहना करते हैं।	
5	**पाठ-5. रहीम के दोहे** अब्दुर्रहीम खानखाना (दोहे)	रहीम के दोहे जिनमें नैतिकता, परोपकार, प्रेम, विनम्रता और व्यवहारिकता का संदेश दिया गया है।	• शब्दों के हिंदी मानक रूप • अनेकार्थी शब्दों का प्रयोग • दोहों का भावार्थ लेखन • 'नैतिक मूल्यों का महत्व' विषय पर अनुच्छेद लेखन	• दोहों का भावार्थ समझ सकेंगे। • नैतिक मूल्यों को आत्मसात कर सकेंगे। • काव्य बोध क्षमता विकसित कर सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ हो सकेंगे।	• दूसरों के द्वारा अभिव्यक्त अनुभवों को ज़रूरत के अनुसार लिखना, जैसे- सार्वजनिक स्थानों (जैसे- चौराहों, नलों, बस अड्डे आदि) पर सुनी गई बातों को लिखना। • हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री (समाचार, पत्र-पत्रिका, कहानी, जानकारी परक सामग्री, इंटरनेट पर प्रकाशित होने वाली सामग्री आदि) को समझकर पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंद-नापसंद, टिप्पणी को	• दोहों का भावानुकूल वाचन • दोहों से मिलती-जुलती लोकोक्तियाँ खोजकर लिखना • रहीम के अतिरिक्त अन्य कवियों के नीतिपरक दोहों का वाचन • दोहों/कविताओं की अंत्याक्षरी • स्वयं दोहा लिखने का अभ्यास • 'रहीम के दोहों का आधुनिक जीवन में महत्त्व' पर सामूहिक चर्चा

6	**पाठ-6. मेरी माँ** रामप्रसाद 'बिस्मिल' (आत्मकथा)	यह पाठ महान स्वतंत्रता सेनानी रामप्रसाद बिस्मिल की आत्मकथा का अंश है, जिसमें उन्होंने अपनी माँ के प्रति प्रेम, सम्मान और उनके बलिदान का वर्णन किया है।	• विशेषण और उसके भेद • उपसर्ग एवं प्रत्यय • 'माँ' के लिए पर्यायवाची शब्द • विशेषण (पहचान एवं प्रयोग) • आत्मकथा लेखन • 'मेरी माँ' विषय पर अनुच्छेद लेखन • माँ का आभार व्यक्त करते हुए पत्र लेखन	• आत्मकथा विधा से परिचित हो सकेंगे। • माता-पिता के प्रति सम्मान और प्रेम की भावना विकसित कर सकेंगे। • स्वतंत्रता संग्राम के बारे में अपने शब्दों में लिख सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ हो सकेंगे।	लिखित या ब्रेल भाषा में व्यक्त करते हैं। • विभिन्न विषयों, उद्देश्यों के लिए उपयुक्त विराम-चिह्नों का उपयोग करते हुए लिखते हैं। • विभिन्न अवसरों/ संदर्भों में कही जा रही दूसरों की बातों को अपने ढंग से लिखते हैं। • विभिन्न संदर्भों में विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते समय शब्दों, वाक्य संरचनाओं, मुहावरे आदि का उचित प्रयोग करते हैं।	• पाठ में आए कठिन शब्दों का अर्थ लिखना • कक्षा में 'माँ की महिमा' से संबंधित गीतों की प्रस्तुति • 'माँ के महत्त्व' विषय पर लघु कविता लेखन

	आंतरिक मूल्यांकन-
	नोट:- • **उपर्युक्त पाठ्यक्रम 06 सितंबर, 2025 तक पूरा कर लिया जाए।** • **मध्यावधि परीक्षा हेतु पुनरावृत्ति करवाई जाए।** • **दिया गया पाठ्यक्रम मूल्यांकन हेतु है।**

पुनरावृत्ति

मध्यावधि परीक्षा

क्र. सं.	(मल्हार) पाठ का नाम, रचयिता, विधा	विषयवस्तु	व्याकरण और रचनात्मक लेखन	अधिगम उद्देश्य	अधिगम संप्राप्ति	सुझावात्मक गतिविधि/क्रियाकलाप
7	**पाठ-7. जलाते चलो** द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी (कविता)	यह प्रेरणादायक कविता समाज में सद्कर्मों की मशाल जलाए रखने और सकारात्मक रहने की प्रेरणा देती है।	• समानार्थी शब्द • क्रिया शब्दों की पहचान • संवाद लेखन • कविता का सारांश लेखन • सा/सी/से का प्रयोग • शब्दों के प्रतीकार्थ • काव्य पंक्ति को वाक्य रूप में लिखना • तिथिपत्र, अमावस्या और पूर्णिमा का अध्ययन • अक्षर-जाल में शब्दों को खोजना	• कविता में आए प्रतीकों और भावों को समझ सकेंगे। • समाज में सकारात्मक योगदान देने के लिए प्रेरित हो सकेंगे। • सेवा व परोपकार की भावना विकसित कर सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ हो सकेंगे।	• विभिन्न प्रकार की ध्वनियों (जैसे- बारिश, हवा, रेल, बस, फेरीवाला आदि) को सुनने के अनुभव, किसी वस्तु के स्वाद आदि के अनुभव को अपने ढंग से मौखिक/सांकेतिक भाषा में प्रस्तुत करते हैं। • सुनी, देखी गई बातों, जैसे- स्थानीय सामाजिक घटनाओं, कार्यक्रमों और गतिविधियों पर बेझिझक बात करते हैं और प्रश्न करते हैं। • देखी, सुनी रचनाओं/ घटनाओं/ मुद्दों पर बातचीत को अपने ढंग से	• कल्पना के आधार पर 'दिये और तूफ़ान' के मध्य होने वाले संभावित संवाद लेखन • अच्छे कर्मों से जुड़ी प्रेरणादायक कहानियाँ साझा करना • 'समाज को बेहतर बनाने के लिए हमें क्या करना चाहिए?' विषय पर भाषण/विचार प्रस्तुति • 'अच्छे कार्यों की पहचान और उनका प्रभाव' पर समूह चर्चा

8	**पाठ-8. सत्रिया और बिहू नृत्य** जया मेहता (निबंध)	प्रस्तुत निबंध असम राज्य और उसके लोकनृत्य सत्रिया और बिहू के बारे में रोचक ढंग से जानकारी प्रस्तुत करता है।	• आगत/विदेशी शब्दों की पहचान और प्रयोग • असम राज्य में प्रयुक्त होने वाले शब्दों की पहचान • पत्र लेखन (औपचारिक और अनौपचारिक) • प्रार्थना सभा में बिहू नृत्य प्रस्तुत करने की अनुमति लेने के लिए प्राचार्या/प्राचार्य को पत्र लिखिए।	• निबंध विधा से परिचित हो सकेंगे • वृत्तचित्र (डॉक्यूमेंट्री) के विषय में जान सकेंगे • असम और वहाँ के जनजीवन की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। • लोकनृत्य और लोकसंगीत के बारे में समझ बना सकेंगे • सत्रिया और बिहू नृत्य की विशेषताओं को रेखांकित कर सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे। पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ हो सकेंगे।	आगे बढ़ाते हैं, जैसे- किसी कहानी को आगे बढ़ाना। • रेडियो, टी.वी., अखबार, इंटरनेट में देखी/सुनी गई खबरों को अपने शब्दों में कहते हैं। • विभिन्न अवसरों/संदर्भों में कही जा रही दूसरों की बातों को अपने ढंग से बताते हैं, जैसे आँखों से न देख पाने वाले साथी का यात्रा-अनुभव। • अपने परिवेश में मौजूद लोककथाओं और लोकगीतों के बारे में जानते हुए चर्चा करते हैं। • अपने से भिन्न भाषा, खान-पान, रहन-सहन संबंधी विविधताओं पर बातचीत करते हैं। • सरसरी तौर पर किसी पाठ्यवस्तु को पढ़कर उसकी विषयवस्तु का अनुमान लगाते हैं।	• सत्रिया नृत्य के प्रमुख कलाकारों की सूची बनाइए • कक्षा में किसी भी एक भारतीय लोकनृत्य की प्रस्तुति • पूर्वोत्तर राज्यों के लोकनृत्यों पर परियोजना कार्य • सत्रिया और बिहू नृत्य को यूट्यूब पर देखना • भारतीय राज्यों के लोकनृत्यों की सूची बनाना • कृषि आधारित त्योहारों पर अनुच्छेद लेखन • किसी उत्सव पर वृत्तचित्र (डॉक्यूमेंट्री) बनाना

9	**पाठ-9. मैया मैं नहिं माखन खायो** सूरदास (पद)	सूरदास द्वारा रचित पद में नटखट श्रीकृष्ण की बाल-लीला का वर्णन ब्रजभाषा में किया गया है।	• पर्यायवाची शब्द • तुकांत शब्द • वर्ण परिवर्तन • ब्रजभाषा के शब्दों का हिंदी में रूपांतरण • समय से संबंधित शब्दावली • चित्र पहचानकर शब्द लेखन • दूध से बनी वस्तुओं की सूची बनाना • गोपिका की ओर से कृष्ण की शिकायत करते हुए यशोदा को पत्र लिखिए	• भक्तिकाल की स्वर्णिम काव्यधारा से परिचित हो सकेंगे। • कृष्ण के बाल स्वरूप को रेखांकित कर सकेंगे। • वात्सल्य भाव को आत्मसात कर सकेंगे। • पदों का भावार्थ लिख सकेंगे • ब्रजभाषा की विशेषताओं और शब्दों से परिचित हो सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे।	• किसी पाठ्यवस्तु की बारीकी से जाँच करते हुए उसमें किसी विशेष बिंदु को खोजते हैं, अनुमान लगाते हैं, निष्कर्ष निकालते हैं। • हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री (समाचार, पत्र-पत्रिका, कहानी, जानकारीपरक सामग्री, इंटरनेट पर प्रकाशित होने वाली सामग्री आदि) को समझकर पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंद-नापसंद, राय, टिप्पणी देते हैं। • भाषा की बारीकियों/ व्यवस्था/ ढंग पर ध्यान देते हुए उसकी सराहना करते हैं, जैसे- कविता में लय-तुक, वर्ण-आवृत्ति (छंद) तथा कहानी, निबंध	• दूध, दही और मक्खन के पौष्टिक लाभों पर सामूहिक चर्चा • श्रीकृष्ण के जीवन के महत्त्वपूर्ण प्रसंगों को कक्षा में सुनाना • दूध उत्पादन और वितरण में पहले की तुलना में अब क्या-क्या परिवर्तन हुए हैं - इस विषय पर सामूहिक चर्चा • सूरदास के अन्य पदों का पठन
10	**पाठ-10. परीक्षा** प्रेमचंद (कहानी)	इस कहानी के अनुसार साहस, उदारता और आत्मबल,	• मुहावरे और लोकोक्तियाँ • विपरीत शब्द	• साहस, उदारता और आत्मबल आदि गुणों के प्रति संवेदनशील हो सकेंगे।		• वर्तमान समय में प्रधानमंत्री/मुख्यमंत्री का चयन किस प्रकार

		व्यक्ति विशेष के व्यवहार और चरित्र के प्रमुख गुण हैं।	• क्रिया विशेषण की पहचान एवं प्रयोग • विज्ञापन लेखन • भावों के नाम लिखना • परिधानों के नामों की सूची बनाना • पत्र लेखन (औपचारिक और अनौपचारिक)	• कहानी के मूलभाव को अपने शब्दों में लिख सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ हो सकेंगे।	में मुहावरे, लोकोक्ति आदि। • विभिन्न विधाओं में लिखी गई साहित्यिक सामग्री को उपयुक्त उतार-चढ़ाव और सही गति के साथ पढ़ते हैं। • हिंदी भाषा में विविध प्रकार की रचनाओं को पढ़ते हैं। • नए शब्दों के प्रति जिज्ञासा व्यक्त करते हैं और उनके अर्थ समझने के लिए शब्दकोश का प्रयोग करते हैं। • विविध कलाओं, जैसे- हस्तकला, वास्तुकला, खेती-बाड़ी, नृत्यकला आदि से जुड़ी सामग्री में प्रयुक्त भाषा के प्रति	होता है - इस विषय पर सामूहिक चर्चा • कक्षा प्रतिनिधि का चयन करते समय आप किन-किन गुणों का ध्यान रखेंगें - सूची बनाकर कक्षा में प्रदर्शित कीजिए • 'परीक्षा' कहानी के आधार पर कॉमिक्स निर्माण
11	**पाठ-11. चेतक की वीरता** श्यामनारायण पांडेय (कविता)	महाराणा प्रताप के घोड़े चेतक की वीरता को लयबद्ध करती कविता।	• समानार्थी शब्द • विलोम शब्द • अनेकार्थी शब्द • 'जन्मभूमि' विषय पर पत्र या अनुच्छेद लेखन	• भारत के ऐतिहासिक वीर व्यक्तियों से परिचित हो सकेंगे। • महाराणा प्रताप के जीवन से अवगत हो सकेंगे। • भावानुकूल एवं आदर्श वाचन में सक्षम हो सकेंगे।		• ऐतिहासिक व्यक्तियों पर आधारित पठित/अपठित पद्यांश का अभ्यास, • महाराणा प्रताप के जीवन पर परिचर्चा

				• पाठांतर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग कर सकेंगे।	जिज्ञासा व्यक्त करते हुए उसकी सराहना करते हैं। • दूसरों के द्वारा अभिव्यक्त अनुभवों को ज़रूरत के अनुसार लिखना, जैसे- सार्वजनिक स्थानों (जैसे- चौराहों, नलों, बस अड्डे आदि) पर सुनी गई बातों को लिखना। • हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री (समाचार, पत्र-पत्रिका, कहानी, जानकारी परक सामग्री, इंटरनेट पर प्रकाशित होने वाली सामग्री आदि) को समझकर पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंद-नापसंद, टिप्पणी को लिखित या ब्रेल भाषा में व्यक्त करते हैं। • विभिन्न विषयों, उद्देश्यों के लिए उपयुक्त विराम-	
12	**पाठ-12. हिंद महासागर में छोटा-सा हिंदुस्तान** रामधारी सिंह 'दिनकर' (यात्रा-वृत्तांत)	प्रस्तुत यात्रा-वृत्तांत में नैरोबी के वन्य जीव और मॉरिशस में भारतीय संस्कृति के अनूठे रूप का वर्णन	• संज्ञा की पहचान और प्रयोग • सर्वनाम की पहचान और प्रयोग • चित्रात्मक सूचना तैयार करना • अर्थ के आधार पर वाक्य रचना की पहचान और प्रयोग - विधानवाचक - निषेधवाचक - प्रश्नवाचक - आश्चर्यवाचक /विस्मयवाचक	• 'यात्रा-वृत्तांत' विधा से परिचित हो सकेंगे • नैरोबी के प्राकृतिक और मॉरिशस और सांस्कृतिक जीवन के प्रति संवेदनशील हो सकेंगे। • भावानुकूल एवं आदर्श वाचन में सक्षम हो सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे। • पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ हो सकेंगे।		• भारतीय संस्कृति पर आधारित पठित/अपठित गद्यांश का अभ्यास • नैरोबी और मॉरिशस को विश्व मानचित्र पर ढूँढ़ कर चिह्नित करना • मॉरिशस और नैरोबी के बारे में अन्य जानकारी जुटा कर कक्षा में प्रदर्शन

					चिह्नों का उपयोग करते हुए लिखते हैं। • विभिन्न अवसरों/संदर्भों में कही जा रही दूसरों की बातों को अपने ढंग से लिखते हैं। • विभिन्न संदर्भों में विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते समय शब्दों, वाक्य संरचनाओं, मुहावरे आदि का उचित प्रयोग करते हैं।	• विद्यार्थियों द्वारा व्यक्तिगत अनुभव पर यात्रा-वृत्तांत लेखन • हस्ताक्षर अभ्यास। (रचनात्मक हस्ताक्षर निर्धारित करना)
13	**पाठ-13. पेड़ की बात** जगदीशचंद्र बसु (निबंध)	एक बीज से वृक्ष बनने और वृक्ष से सूख कर मृत होने की यात्रा को सरलता से समझाता निबंध	• शब्द बॉक्स का निर्माण • प्रवाह-चार्ट (फ़्लो चार्ट) बनाना • विशेषण की पहचान और प्रयोग • क्रिया की पहचान और प्रयोग • कारक चिह्नों की पहचान और प्रयोग	• 'निबंध' विधा से परिचित हो सकेंगे। • वृक्ष की जीवन यात्रा को अपने शब्दों में लिख सकेंगे। • पृथ्वी के स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशील हो सकेंगे। • भावानुकूल एवं आदर्श वाचन में सक्षम हो सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ हो सकेंगे।		• पेड़-मनुष्य, बीज-मिट्टी, फल-पत्तों आदि के बीच संवाद लेखन • वन्य संरक्षण/प्रदूषण पर परिचर्चा, • विद्यार्थियों को बीज रोपने की गतिविधि देना - विद्यार्थी बीज के विकास की विभिन्न अवस्थाओं का अवलोकन कर स्क्रैप बुक का निर्माण करेंगें
	आओ बच्चों तुम्हें दिखाएँ	केवल पढ़ने के लिए	कुछ पाठ केवल पढ़ने के लिए दिए गए हैं जो कहीं			

	झाँकी हिंदुस्तान की कवि प्रदीप (गीत)		पाठ के विषय को पोषित करते हैं, तो कहीं रचना की विविधता प्रस्तुत कर विद्यार्थी की रुचि का विस्तार करते हैं।			
	शब्दकोश					• शब्दकोश के प्रयोग को सिखाएँ। - क्रम - व्याकरणिक जानकारी (शब्द-संक्षेप का अर्थ) - संदर्भगत अर्थ
		आंतरिक मूल्यांकन-				
		नोट:- • **समस्त पाठ्यक्रम 31 जनवरी, 2026 तक पूरा कर लिया जाए।** • **वार्षिक परीक्षा में समस्त पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जाएँगे।** • **दिया गया पाठ्यक्रम मूल्यांकन हेतु है।** **समस्त पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति** **वार्षिक परीक्षा**				